No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-12

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02915

जून, 2018

एम.एच.डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) अप्पू ताड़ के पत्ते से बना छाता कन्धे पर रखकर उसकी रंगीन डण्डी पर थैली लटकाये आँगन से चल पड़ा । फाटक पार करने पर फिसलकर गिरने को हुआ, लेकिन गिरा नहीं । मुड़कर देखा कि किसी ने देखा तो नहीं । ओसारे के दरवाज़े के सहारे दीदी उसे ही एकटक देख रही थी... यह डराने वाली आँखें दीदी को कैसे मिलीं । जब उसने मुड़कर देखा तो दीदी ने कछुए की तरह सिर अन्दर खींच लिया ।

(ख) "अबे, क्या चल रहा है ! आजकल उल्टा-सीधा काम करने लग गया है, क्या बात है ? अरे, किसने तुझे डिस्ट्रिब्यूट करने को कहा ? ... बाहर जाते हुए मैं कौन-सा काम बताके गया और तू क्या काम कर रहा है ! ... मैंने कहा था कार्ड का काम पूरा करने के बाद अभिनन्दन-पत्र को मशीन पर चढ़ा ले ... हाँ, वह बहुत ज़रूरी है," मुदलियार चिल्लाये ।

"अच्छा मालिक !" बदस्तूर जवाब देकर विनायक काम में मशगूल हो गया ।

"चाहे रात हो जाए, आज उसे पूरा करना ही है !" मुदलियार का हुक्म ।

घड़ी में तीन बज गये । छप गये निमन्त्रण-पत्र के मैटर को 'डिस्ट्रिब्यूट' करने का काम हो गया । अब अभिनन्दन-पत्र का काम शुरू करना है ।

हाथ मुस्तैदी से काम पर लगे थे । मन अपने लिए एक विवाह-लग्न-पत्रिका छपने के 'शुभ दिन' के चिन्तन में लीन था ।

(ग) पानी ! पानी शब्द सुनते ही अविनाश की समस्त तंत्रिकाएँ जैसे जागृत हो गई । उन्होंने महसूस किया कि इस वक्त उन्हें पानी की सख़्त ज़रूरत है । लेकिन फिर भी उन्होंने आँख नहीं खोली । और आँखें बंद किए-किए बोलना उचित नहीं था । मगर जवाब न पाकर शायद वे पानी न लाएँ, कहें कि रहने दो, रहने दो, डिस्टर्ब करने की ज़रूरत नहीं है । जागने से ही पानी पीने को मिल सकता है । अविनाश ने आँखें खोल दी ।

(घ) वह नीचे गिर पड़ी । लाश की तरह सफ़ेद हो गई और वह नीचे न उतरे इसलिए उसने झपट कर मैले से भरे हुए डिब्बे को खींचा जिससे उसकी उँगलियाँ मैले से भर गईं । उसके बदन पर रोंगटे खड़े हो गए । मन घृणा से भर उठा । फिर भी उसने आवेग में डिब्बा कंधे पर उठा लिया और उसके अंधे आवेग के कारण डिब्बा छलक गया । बदन पर मैला बदबदाता गिरने लगा । तब साँप पाँवों को लपेट कर जब छाती पर फन मारता है उस समय आदमी जिस तरह प्राणों के भय से चीखता है, उसी तरह की मर्मभेदक चीख़ उसके मुँह से निकली ।

2. मलयालम कहानी के विकास में एम.टी. वासुदेवन नायर की भूमिका पर प्रकाश डालिए । *10*

3. 'ट्रेडिल' कहानी के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *10*

4. आशापूर्णा देवी का परिचय देते हुए उनकी कहानी 'अपने लिए शोकगीत' का विश्लेषण कीजिए । *10*

5. 'अपना-अपना क़र्ज़' कहानी की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए । *10*

6. दलित चेतना के संदर्भ में 'विद्रोह' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) इंदिरा गोस्वामी

   (ख) गोपीनाथ महंति

   (ग) कोंकणी कहानी-संसार

   (घ) 'चिता' कहानी का कथानक